The Editor

Varanasi

Press-Note

Prof. Mukund Lal's third Death Anniversary observed at SMS-Varanasi

VARANASI: Three years back, Prof. Mukund Lal, Founder Director of renowned B-School of the country, School of Management Sciences (SMS) left this world for heavenly abode. It was 25th of May 2008 that this management education doyen breathed his last in the early morning hours. The SMS family in his chamber paid rich tributes to this great leader who served as an undisputed leader in the field of management education and took SMS to a height what it stands today.

The Executive Secretary Dr. M. P. Singh, Joint Secretary Shri S. K. Singh, Registrar, Shri Sanjay Gupta were joined by members from faculty and non-teaching staff to pay homage to this great leader. The management of the B-School has already announced a Scholarship in the name of Prof. Mukund Lal for the existing students of SMS Varanasi for all its courses where cash reward and a citation is given to each semester topper.

The management of SMS has re-iterated its commitment to follow the foot steps of its great founder and is also committed to fulfill all dreams which Prof. Lal had seen for this institution, said Dr. M. P. Singh at an internal gathering at the Institute premises in Khushipur. Prof. Lal, after retirement from FMS-BHU took charge as the Director of SMS in 1995 with about 30 students joining its flagship PGDM programme. Today the figure touches the two thousand mark amidst various landmark achievements by the Institute in the past sixteen years of its existence in Varanasi.

●●●

सेवा में,

सम्पादक,

वाराणसी।

प्रेस विज्ञप्ति

एस.एम.एस. ने अपने संस्थापक निदेशक प्रो. मुकुन्द लाल को तृतीय पुण्यतिथि पर स्मरण किया

वाराणसी : प्रबन्ध शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइंसेज (एस.एम.एस.) वाराणसी ने अपने संस्थापक निदेशक स्व० प्रो. मुकुन्द लाल को उनकी तृतीय पुण्यतिथि (25 मई) पर स्मरण करते हुये उनको श्रद्धासुमन अर्पित किया। सन् 2008 में इसी दिन प्रो. लाल ने काशी की धरती पर अंतिम सांस ली थी। इस भावुक अवसर पर एस.एम.एस. समूह के अधिशासी सचिव, डॉ. एम. पी. सिंह, संयुक्त सचिव, श्री एस. के. सिंह, कुलसचिव, श्री संजय गुप्ता, अध्यापकगण एवं गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों ने उनके विशेष कक्ष में जाकर श्रद्धान्जलि अर्पित की।

इस अवसर पर बोलते हुये अधिशासी सचिव, डॉ. एम.पी. सिंह ने प्रो. लाल द्वारा दिखायें गये पथ पर अग्रसर होने की बात कही एवं यह भी कहा कि संस्थान से जुड़े उनके तमाम स्वप्नों को भी एस.एम. एस समूह समय–समय पर पूर्ण करने की चेष्टा करता रहेगा। इसी सन्दर्भ में संस्थान ने प्रो. मुकुन्द लाल स्कॉलशिप (छात्रवृत्ति) की घोषणा पहले ही कर दी है जिसमें समस्त पाठ्यक्रमों के सेमेस्टर टॉपर को नकद पारितोषिक के साथ–साथ एक प्रशंसात्मक उल्लेख करता हुआ प्रशस्ति–पत्र प्रदत्त किया जाता है।

ज्ञात हो कि प्रो. मुकुन्द लाल, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित प्रबन्ध शास्त्र संकाय में डीन एवं विभागाध्यक्ष के पद से सेवानिवृत्त होने के पश्चात् सन् 1995 में एस.एम.एस. के संस्थापक निदेशक के रूप में अपनी सेवायें प्रदान करना प्रारम्भ किया। मात्र 10 वर्षों में ही उनके कार्यकाल में संस्थान ने उपलब्धियों की झड़ी लगा दी और पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहा। मात्र तीस विद्यार्थियों से शुरू होकर आज इस संस्थान में लगभग 2000 विद्यार्थी पी.जी.डी.एम., एम.सी.ए., बी.बी. ए. एवं बी.सी.ए. में अध्ययनरत् हैं।

●●●